vkj- ,u- vkb- u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iath;u- l[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 13 vad % 14 y[kuÅ] x:okj 14 tqykbZ 2022 ls 20 tqykbZ 2022 rd i"B&8 eY; % ,d

कोविड–१९ की निशुल्क एहतियाती खुराक देश के लोगों को और अधिक स्वस्थ बनाएगीः मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि १८ साल से अधिक उम्र के सभी नागरिकों को कोविड–१९ के टीके की निशुल्क एहतियाती खुराक देने के सरकार के फैसले से भारत में टीकाकरण अभियान का दायरा बढ़ेगा और इसके परिणामस्वरूप एक स्वस्थ देश का निर्माण होगा। केंद्र सरकार ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत १५ जुलाई से अगले ७५ दिनों के लिए सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर १८ वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को कोविड–१९ टीके की निशुल्क एहतियाती खुराक दिए जाने का फैसला किया है। इससे पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश में १८ वर्ष से अधिक आयु के लोगों को सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर

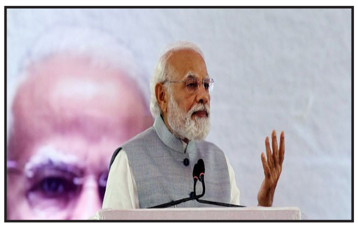

कोविड रोधी टीके की एहतियाती खुराक मुफ्त लगाने के प्रस्ताव को बुधवार को मंजूरी प्रदान कर दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया, ‘‘ कोविड–१९ के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण एक प्रभावी उपाय है। मंत्रिमंडल के आज के फैसले से भारत में टीकाकरण का विस्तार होगा और स्वस्थ्य राष्ट्र बनाने में मदद मिलेगी।’’ आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक देश में १८–५९ आयु वर्ग के ७७.१० करोड़ लोगों में से अब तक एक प्रतिशत से भी कम लोगों ने कोविड–१९ की एहतियाती खुराक लगवाई है। गौरतलब है किभारत ने १८ वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिए १० अप्रैल से कोविड–१९ की एहतियाती खुराक देने का अभियान शुरू किया था।

मोदी सरकार का बड़ा फैसला, मुफ्त में मिलेगी कोरोना की बूस्टर डोज

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में कई अहम

निर्णय लिये गये। सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद बताया कि भारत आजादी के ७५ वर्ष मना रहा है। आजादी का अमृत काल के अवसर पर एक निर्णय ये भी लिया गया है कि १५ जुलाई २०२२ से अगले ७५ दिनों तक १८ वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को मुफ्त में बूस्टर डोज दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तरंगा हिल–अंबाजी–आबू रोड को रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की मंजूरी दी। ११६ किमी की ये नई रेलवे लाइन मात्र ४ साल में बनकर तैयार हो जाएगी और इसमें २७९८ करोड़ रुपए खर्च होंगे। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि इस नई रेलवे लाइन से गुजरात और राजस्थान के सीमांत क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को सुविधा मिलेगी।

जनसंख्या नियंत्रण जैसे दीर्घकालीन विषय पर लोगों को उलझाना भाजपा की कौन सी समझदारी : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने विश्व जनसंख्या दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान पर हमला बोला है। मयावती ने कहा जब महंगाई आसमान छू रही है और बेरोजगारी के अभिशाप से परिवारों का जीवन दुखी है ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण जैसे दीर्घकालीन विषय पर लोगों को उलझाना भाजपा की कौन सी समझदारी है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने ट्वीट कर कहा कि, ऐसे समय में जब आसमान छूती महंगाई, अति गरीबी व बढ़ती बेरोजगारी आदि के अभिशाप से परिवारों का जीवन दुखी, त्रस्त व तनावपूर्ण है तथा वे स्वंय ही अपनी सभी जरूरतों को सीमित कर रहे हैं, तब जनसंख्या नियंत्रण जैसे दीर्घकालीन विषय पर लोगों को उलझाना भाजपा की कौन सी समझदारी है? बसपा प्रमुख ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण दीर्घकालीन नीतिगत मुद्दा जिसके प्रति कानून से कहीं ज्यादा जागरुकता की जरूरत किन्तु भाजपा सरकारें देश की वास्तविक प्राथमिकता पर समुचित ध्यान देने के बजाय भटकाऊ व विवादित मुद्दे ही चुन रही हैं तो ऐसे में जनहित च

देशहित का सही से कैसे भला संभव? जनता दुखी व बेचैन।श्बता दें कि समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सीएम योगी उस बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अराजकता आबादी से नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की बरबादी से उपजती है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर कहा था कि जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आगे बढ़े, लेकिन जनसांख्यिकी असंतुलन की स्थिति भी न पैदा हो पाए। इसका धार्मिक जनसांख्यिकी पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और वहां अराजकता और अव्यवस्था शुरू हो जाती है। इसलिए जब हम जनसंख्या स्थिरीकरण के बारे में बात करते हैं, तो यह सभी के लिए और जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के ऊपर एक समान होना चाहिए।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन देशों की जनसंख्या ज्यादा है, वहां जनसांख्यकीय असंतुलन चिंता का विषय बनता जा रहा है। क्योंकि इससे धार्मिक जनसांख्यकीय पर विपरीत असर पड़ता है। जिसके कारण एक समय के बाद वहां अव्यवस्था, अराजकता जन्म लेने लगती है। ऐसे में जनसंख्या नियंत्रण के प्रयासों से भी मत, मजहब, वर्ग व सम्प्रदाय पर एक समान रूप से जोड़ा जाना चाहिए।

ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में लागू नहीं होता उपासना स्थल अधिनियम : हिंदू पक्ष

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)। ज्ञानवापी–श्रृंगार गौरी मामले में वाराणसी की जिला अदालत में बुधवार को हिन्दू पक्ष ने अपनी दलीलें रखीं और दावा किया कि ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में उपासना स्थल अधिनियम लागू नहीं होता। हिंदू पक्ष के दलीलें रखने का सिलसिला बृहस्पतिवार को भी जारी रहेगा। शासकीय अधिवक्ता राणा संजीव सिंह ने बताया कि हिन्दू पक्ष की ओर से अधिवक्ता हरिशंकर जैन और विष्णु जैन ने दलीलें रखीं। सिंह ने बताया कि हरिशंकर जैन ने अदालत में कहा कि इस मामले में वर्ष १९९१ का उपासना स्थल अधिनियम किसी भी तरीके से लागू नहीं होता। हिंदू पक्ष के वकील ने दावा किया कि मुस्लिम पक्ष जिस जमीन पर अपना दावा कर रहा है वह आदि विश्वेश्वर महादेव की है। हिंदू पक्ष ने दावा किया कि वहां पर जबरदस्ती नमाज पढ़ी जा रही है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ताओं ने अपनी दलील में यह भी कहा कि अगर मंदिर तोड़ भी दिया गया है, तब भी अदिविश्वेश्वर की पूजा की अनुमति दी जाय। सिंह ने बताया कि बुधवार को हिन्दू पक्ष ने लगभग दो घण्टे अपनी दलील अदालत के समक्ष रखी।

राष्ट्रपति चुनाव को लेकर मतदान की तैयारियां पूरी

लखनऊ। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर प्रदेश में मतदान की तैयारियां पूरी कर कर ली गई हैं। १८ जुलाई को विधानसभा में मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर निष्पक्ष मतदान के सभी उपाय किये गये हैं। उन्होंने बताया कि सुबह १० बजे से शाम पांच बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतों की गणना २१ जुलाई को होगी। उन्होंने बताया कि राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को निर्वाचन अधिकारी व प्रदेश में विधानसभा के विशेष सचिव बृजभूषण दुबे व संयुक्त सचिव अजीत कुमार शर्मा को सहायक निर्वाचन अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा सचिवालय में बने स्ट्रांग रूम को

मतपेटिकाएं व अन्य सामग्री रखकर सील किया गया है। विधानसभा स्थित तिलक हाल को मतदेय स्थल बनाया गया है। मतदाताओं की पहचान व स्लिप वितरण विधान भवन के कक्ष संख्या ८० में होगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति निलंबित, होगी जांच

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रार व कार्यवाहक कुलपति रह चुके एसके शुक्ला को निलंबित कर दिया गया है। प्रथम ष्टया जांच में एसके शुक्ला की भूमिका एसटीएफ ने संदिग्ध पाई है। निलम्बन के साथ ही जांच के लिए संस्तुति की गई है। इस मामले में कमेटी गठित करके जांच की जाएगी। आंतरिक कमेटी की जांच में उन्हें दोषी पाया गया है। ११ नवंबर से २८ दिसंबर, २०१६ तक कार्यवाहक कुलपति के रूप में एसके शुक्ला का कार्यकाल विवादों में रहा। बता दें कि एलएलबी का पर्चा लीक होने के चलते तीसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं रद्द की गई थीं। इसमें कई ऑडियो क्लिप वायरल हुई जिसमें पेपर लीक होने की पुष्टि हुई। जिस महिला ने सबको फोन करके पर्चे के बारे में पूछा उसने सभी को एसके शुक्ला के साथ करीबी होने का हवाला दिया। वर्तमान में शुक्ला वह संपूर्णानंद संस्कृत विवि वाराणसी के कुलसचिव पद पर कार्यरत थे।

सम्पादकीय

आर्थिक जगत की नीति नाकाम

ब्याज दर बढ़ाने की अपनाई गई नीति से अलग लगातार तीन तिमाहियों तक मुद्रास्फीति घट कर तय सीमा के अंदर नहीं आती है, तो आर्थिक जगत में इस नीति को नाकाम घोषित कर दिया जाता है। भारतीय रिजर्व बैंक की यह नीति दो तिमाहियों तक नाकाम रही है। खुद रिजर्व बैंक का अनुमान है कि अगली तिमाही में भी खुदरा महंगाई दर लगभग ७.५ प्रतिशत रहेगी। रिजर्व बैंक की मुद्रास्फीति नियंत्रण नीति के तहत इस दर को २ से ४ फीसदी तक सीमित रखने का लक्ष्य तय रहा है। ६ प्रतिशत मुद्रास्फीति को सहनशीलता की सीमा के अंदर माना जाता है। लेकिन पिछली दो तिमाहियों से ये दर ६ प्रतिशत के ऊपर है। चार फीसदी के ऊपर हुए तो ३३ महीने गुजर चुके हैं। तो अब यह प्रश्न उठेगा कि आखिर ब्याज दर बढ़ाने की नीति का क्या हासिल है? इसका एक परिणाम यह है कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम दर्जे के उद्योगों का संकट बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय बाजार में क मोडिटी की कीमत बढ़ने के कारण इन उद्योगों की इनपुट लागत बढ़ी है। जबकि बाजार में मांग ना होने की वजह से उनके लिए अपने उत्पादों की कीमत उसी अनुपात में बढ़ाना मुमकिन नहीं हो पा रहा है। अब ब्याज दर बढ़ने से कोरोना काल में आसान शर्तों पर लिए गए कर्ज को चुकाना भी महंगा हो गया है। तो ऐसी आशंकाएं बड़े पैमाने पर जताई जा रही हैं कि बड़ी संख्या में ऐसे कारोबार बंद हो सकते हैं। नोटबंदी और पेचीदा जीएसटी की मार के कारण पहले ही कमजोर हो चुके इस सेक्टर के सामने ये नई समस्या खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि २०१६ में सरकार ने इस सेक्टर के बिजनेस को आसान शर्तों पर कर्ज देने की नीति खत्म कर दी थी। यानी अब उन्हें ऋण उसी दर पर मिलता है, जो रिजर्व बैंक रेपो रेट से तय होता है। तो अब विचारणीय प्रश्न है कि जब ब्याज दर बढ़ाने से महंगाई नहीं घट रही है, जबकि लाखों लोगों की रोजी–रोटी पर उलटा असर हो रहा है, तब क्या इस नीति को जारी रखना बुद्धिमानी का काम है?

जीएसटी मद में यूपी का केंद्र पर कोई बकाया नहीं : सुरेश खन्ना

लखनऊ। यूपी के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जीएसटी की हमारी कोई भी राशि बकाया नहीं है। उत्तर प्रदेश का

जितना क्लेम बनता है, वह समय–समय पर मिल जाता है। उन्होंने सरकार की १०० दिन की उपलब्धि सामने रखते हुए कहा कि जून तक के कर संग्रह में ५७.५ फीसदी की और करेत्तर राजस्व में ५४.६ फीसदी की वृद्धि हुई है। आर्थिक गतिविधियां फिर से गति पकड़ रही हैं। १०० दिन में सरकार ने २१००० करोड़ रुपये का ऋण वितरित करने का लक्ष्य रखा था जिसके सापेक्ष विभिन्न सरकारी योजनाओं में ३६००० करोड़ का का ऋण वितरित किया गया है।२१००० युवाओं को प्रशिक्षण के मुकाबले २२३१६ युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षण दिया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान राज्यमंत्री मयंकेश्वर सिंह और जसवंत सिंह सैनी भी उपस्थित रहे।

स्कूल गई शिक्षिका की संदिग्ध हालात में मौत

लखनऊ। बापू भवन के पास स्थित सेवेंथ डे एडवेंटिस स्कूल में शिक्षिका जयश्री गिलबर्ट की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मंगलवार को वह बेटे नवीन के साथ स्कूल गई थीं। नवीन उन्हें स्कूल छोड़कर लौट गए थे। थोड़ी देर बाद स्कूल से नवीन के पास फोन आया कि आपकी मां को चोट लग गई है। पुलिस के मुताबिक स्कूल के कर्मचारी जयश्री गिलबर्ट को महानगर स्थित अस्पताल में ले गए थे, जहां देर शाम को उनकी मौत हो गई। इसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। एडीसीपी मध्य राघवेंद्र मिश्र का कहना है कि इस मामले में कोई तहरीर नहीं मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। उधर, नवीन ने स्कूल की प्रिंसिपल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। नवीन के पिता भी उसी स्कूल में कार्यरत थे, जिनकी हृदय गति रुकने से मौत हो गई थी। आरोप है कि प्रिंसिपल उनकी मां को परेशान कर रही थीं और फिटनेस सर्टिफिकेट लेकर आने को कह रही थीं।

अवैध कॉलोनियों की जमीनें होंगी जब्त : CM योगी

लखनऊ। प्रदेश भर में अवैध कॉलोनियां की जमीनें जब्त होंगी। सरकार ने इन क लोनियों को बसाने वालों की गिरफ्तारी के साथ ही उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का फैसला लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आवास विभाग जल्द ही इसके लिए नई नीति लाने जा रहा है। प्रस्तावित नीति का ड्राफ्ट लगभग तैयार है। वहीं, आवास विभाग ने प्रदेश भर में अवैध क लोनियों को चिह्नित करने के लिए सर्वे करने का भी फैसला लिया है। जिससे नीति लागू होने के बाद अवैध क लोनियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सके। प्रदेश के सभी बड़े शहरों, जिला मुख्यालय वाले शहरों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिना लेआउट पास कराए ही अवैध क लोनियां बसाई जा रही हैं। इसकी वजह से शहर से सटे इलाकों में बड़ी संख्या में अविकसित कॉलोनियां बस गई हैं। बेतरतीब ढंग से बसने वाली इन क लोनियों में लोग बिना छानबीन के जमीन खरीदकर मकान बना लेते हैं। बाद में सड़क, बिजली, पेयजल व सीवर जैसी सुविधाओं के लिए विकास प्राधिकरण और नगर निकायों का चक्कर लगाने लगते हैं। इस तरह के तमाम शिकायतों के मद्देनजर

पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने आवास विभाग को अवैध क लोनियां बसाने वाले लोगों पर शिकंजा करने का निर्देश दिया था।इसी कड़ी में आवास विभाग नई नीति तैयार कर रहा है। प्रस्तावित नीति में अवैध क लोनी बसाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए विकास प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन किया जाएगा। इसमें कुछ नई धाराएं जोड़ी जाएंगी। इन धाराओं के आधार पर अवैध क लोनियां बसाने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने, गिरफ्तारी करने, जुर्माना लगाने और अवैध क लोनी से संबंधित जमीनें जब्त करने का प्रावधान किया जाएगा। जल्द ही इस नीति को कैबिनेट से मंजूरी दिलाकर लागू किया जाएगा। अवैध क लोनियों को बसने से रोकने और इसे बसाने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सात सदस्यीय समिति बनाते हुए रिपोर्ट मांगी गई है।गौरतलब है कि इससे पहले भी आवास विभाग अवैध क लोनियों को वैध करने और इस पर अंकुश लगाने के लिए कई बार संबंधित नीतियों में संशोधन कर चुका है लेकिन प्राधिकरणों के स्तर पर अधिकारियों और कॉलोनाइजरों की मिलीभगत से अवैध क लोनी बसाने का खेल जारी है। इसलिए अब एक बार फिर से अवैध क लोनियों पर अंकुश लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों को और सख्त करके कॉलोनाइजरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की व्यवस्था की जा रही है।

अखिलेश यादव से नाराज ओम प्रकाश राजभर मुलायम सिंह यादव से मिले

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से नाराज चल रहे उसके प्रमुख सहयोगी दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव से मुलाकात की है। राजभर ने इस मुलाकात की कुछ तस्वीर ट्वीट कर शेयर की है, जिसके बाद से राजनीतिक गलियारे में फिर नई चर्चा शुरू हो गई है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा उपचुनाव में हार के बाद से ही सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर लगातार अखिलेश यादव पर जुबानी हमले कर रहे हैं। बीते कुछ दिनों से राजभर के गठबंधन से अलग होने की अटकलें भी चल रही हैं। इसी बीच मुलायम सिंह यादव की पत्नी साधना गुप्ता का निधन हो गया। इसी क्रम में बुधवार को राजभर उनके मुलाकात के लिए पहुंचे और शोक संवेदनाएं व्यक्त की। ओपी राजभर के बेटे अरुण राजभर ने इस मुलाकात पर कहा कि उनकी पत्नी का निधन हुआ था। उसी को लेकर ओपी राजभर शोक संवेदनाएं व्यक्त करने गए थे। मुलायम सिंह यादव ने राजभर से यह भी पूछा कि सब ठीक चल रहा है। नेताजी हमेशा कहते हैं कि मेहनत करो। हम लोग लगातार मेहनत कर रहे हैं। अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए अरुण राजभर ने कहा कि सपा और सुभासपा एक दूसरे की सहयोगी हैं। हमारे गठबंधन में रालोद भी शामिल है। अगर किसी बैठक में एक सहयोगी को बुलाया जाएगा और दूसरे को नजरअंदाज किया जाएगा तो कोई भी आपत्ति दर्ज करेगा ही।अरुण ने कहा कि हम लोग विपक्ष की पार्टियां हैं। राष्ट्रपति पद के लिए विपक्ष के प्रत्याशी यशवंत सिन्हा के साथ विपक्ष की सभी पार्टियों के साथ बैठक होनी चाहिए। बैठक में पहले हमें भी बुलाया गया। फिर अचानक कह दिया गया कि बैठक रद हो गई है, जबकि ऐसा नहीं हुआ था।बता दें कि रामपुर व आजमगढ़ लोकसभा उपचुनाव में सपा की जबरदस्त हार के बाद से ही राजभर और अखिलेश के बीच तनातनी दिख रही है। राजभर ने उपचुनाव में सपा की हार का ठीकरा सीधे अखिलेश पर फोड़ दिया था। उन्होंने यहां तक कह दिया कि वर्ष २०२२ के विधानसभा चुनाव की हार से अखिलेश ने कोई सबक नहीं लिया। उपचुनाव में वे एसी कमरे से बाहर नहीं निकले। इसके बाद अखिलेश ने भी पलटवार करते हुए कहा था कि उन्हें किसी की सलाह की जरूरत नहीं है।सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने राष्ट्रपति पद के विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के लखनऊ आगमन पर अखिलेश द्वारा बुलाई गई विधायकों की बैठक में आमंत्रित न किए जाने पर भी नाराजगी जताई थी। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि ...हो सकता है कि अब उन्हें हम लोगों की जरूरत न हो। पिछले कुछ समय के घटनाक्रम व बयान इस बात की तस्दीक कर रहे थे कि जल्द ही

सपा गठबंधन से राजभर अलग हो सकते हैं।इस बीच पिछले शुक्रवार को ओम प्रकाश राजभर व सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की एनडीए की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में मुख्यमंत्री आवास पांच कालिदास मार्ग में आयोजित रात्रिभोज में पहुंच गए। सपा विधायक व प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोकतांत्रिक के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव की भी अपने भतीजे अखिलेश से नाराजगी जगजाहिर है। लगातार हो रही उपेक्षा के कारण शिवपाल ने भी रात्रिभोज में मुर्मू से भेंट कर उन्हें समर्थन का भरोसा दिया।

पिटबुल ने किया मालकिन पर हमला, हुई मौत

''राकेश पाण्डेय ''निश्छल''

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कुत्ते की वफादारी पर उस वक्त सवाल उठ गए, जब पिटबुल डॉग ने अपनी ही मालकिन को नोच–नोचकर मार डाला. इस घटना से मृतक महिला के बेटे अमित को बड़ा सदमा लगा है, क्योंकि खूनी पिटबुल डॉग के मालिक वही हैं और वे ही उस खूनी पिटबुल को

बड़े लाड़–प्यार से पालते थे. पिटबुल कुत्ते के हमले में ८० वर्षीय महिला की मौत बाद उनके बेटे अमित ने बताया कि अब वह उस पिटबुल डॉग को दोबारा कभी नहीं पालेंगे. वह उस कुत्ते को अब देखना भी नहीं चाहते हैं, जिसने उनकी मां की जान ली है. पिटबुल कैसा था, इसे लेकर अमित ने विस्तार से बताया है. उन्होंने कहा कि उनका पिटबुल अग्रेसिव नहीं था. वह मां के साथ हमेशा खेलता रहता था. अमित ने बताया कि कभी–कभी दरवाजे की घंटी बार–बार बजने से वह चिढ़ता था. इसी कारण वह अक्सर गुस्सा हो जाता था. शायद हमला करने की यही वजह हो. अमित ने कहा कि मेरे पास कुत्ते का लाइसेंस और वैक्सीनेशन है. इसमें हमने कभी कोई कमी नहीं की. खाने के लिए फूड का पूरा इंतजाम रहता था, मगर अचानक ये घटना कैसे हो गई, कुछ नहीं पता.अमित ने कहा कि यह बड़ा हादसा था. यह मैं भी नहीं समझ पा रहा हूं. उन्होंने कहा कि ३ साल से मेरे साथ दो कुत्ते हैं. एक पिटबुल, एक लेब्रा. दोनों मां के साथ खेलते थे. अब मैं उस पिटबुल को दोबारा देखना भी नहीं चाहता. बता दें कि मंगलवार को पिटबुल ने अमित की मां को करीब डेढ़ घंटे तक नोच–नोचकर मार डाला था. इस घटना के बाद से इस पिटबुल को बैन करने की मांग हो रही है. अमित की मानें तो मंगलवार को यह पिटबुल घर में खुला रह गया. लखनऊ के केसरबाग इलाके के बंगाली टोला में एक ८२ वर्षीय बुजुर्ग महिला को उसी के पालतू पिटबुल डॉगी ने नोच–नोचकर मार डाला था. इस घटना ने सभी को चौंका दिया था. घटना के बाद डॉग के मालिक अमित का कहना था कि मैं अपने काम पर गया हुआ था. मुझे जब घटना का पता चला तो मैं तुरंत घर आया लेकिन तब तक घटना घटित हो चुकी थी. मां को काफी गंभीर चोटें आई थीं. इस घटना के बाद काफी संख्या में लोग इलाके में एकत्रित हो गए थे. घटना के बाद नगर निगम की गाड़ी आकर पिटबुल को ले गई थी. पिटबुल, कुत्ते की जाति में इंसान का सबसे ज्यादा वफादार जानवर अगर किसी को माना जाता है तो यहीं है। लेकिन अगर हम यह कहे कि इसी कुत्ते ने अपने मालिक की हत्या कर दी तो शायद आपके विचार बदल जाएंगे। जी हां, लखनऊ में ऐसा ही कुछ हुआ है जहां ८० साल की बुजुर्ग महिला को उसी की पालतू कुत्ते पिटबुल ने मार डाला। मामला कैसरबाग के बंगाली टोला का है। महिला का नाम सुशीला त्रिपाठी है और वह अपने डॉग को सुबह ५.०० बजे खाना देने गई थी लेकिन डॉग बंधा हुआ नहीं था जिसके कारण उसने महिला पर हमला कर दिया। जब मां की चीखे सुनी तो बेटा भागकर कमरे में पहुंचा। कमरे में बेटे ने देखा कि उसके डॉग ने मां को गंभीर रूप से घायल कर दिया है और शरीर पर चोट के निशान भी देखने को मिले। घायल सुशीला को बलरामपुर अस्पताल लेकर जाया गया जहां से उन्हें ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। शरीर से ज्यादा खून बहने के कारण सुशीला ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया। आपको बता दें कि पिटबुल को सबसे ज्यादा खतरनाक माना जाता है और अगर यह किसी पर अटैक कर दे तो उसकी मौत निश्चित ही है। एक स्टडी के मुताबिक, पिटबुल अन्य कुत्तों से ज्यादा अटैक करते है लेकिन साथ ही यह भी कहा गया है कि पिटबुल के गुस्से का फैसला ऐसे ही नहीं किया जा सकता। न केवल पिटबुल बल्कि शांत ब्रीड वाले गोल्डन रिट्रीवर भी कभी–कभी गुस्से में हमला कर देते है। हालांकि, यह बात जाहिर है कि पिटबुल का अटैक सबसे ज्यादा खतरनाक होता है। ताकतवर दिखने वाले पिटबुल का जबड़ा काफी मजबूत होता है और वह जब किसी पर अटैक करते है तो आप अपने आपको आसानी से छुड़ा नहीं पाओगे। वह अपने जबड़े से दबोच के दातों को लॉक कर देता है, जिसको छुड़ा पाना नामुमकिन सा हो जाता है। लखनऊ में हुए हादसे की रिपोर्ट में पता चला है कि पिटबुल को न ही उस समय छेडा गया था और न ही गुस्सा दिलाया गया था लेकिन फिर भी उसने हमला कर दिया। स्टडी बताती है कि पिटबुल के दिमाग को समझना काफी मुश्किल है। बाकी ब्रीड के मुकाबले पिटबुल प्रेडिक्टेबल नहीं होते। अगर आपको पिटबुल को अटैक करने से रोकना है, तो उसकी भाषा समझना बेहद जरूरी है और उसे गुस्सा आने से पहले ही उसे शांत कराना भी जरूरी है। माना जाता है कि १८वीं सदी में पिटबुल को श्बुल और बियर फाइट के लिए तैयार किया जाता था। दूसरे जानवरों पर अटैक करने की ट्रेनिंग दी जाती थी। अब यह उनके डीएनए का हिस्सा बन गया है। माना तो यह भी जाता है कि कुछ सालों बाद पिटबुल को गार्ड डॉग्स बनाया जाने लगा और बच्चों और बुजुर्गों की सेक्योरिटी का हिस्सा होने लगे थे। इससे उनके अंदर एक शांत स्वाभाव भी उत्पन्न होने लगे थे।

यूपी में तबादलों में गड़बड़ियों की होगी जांच

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चिकित्सकों और लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के तबादले में हुई गड़बड़ियों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने वरिष्ठ आइएएस अधिकारियों की दो टीमें बनाकर उन्हें इसकी जांच सौंपी है। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा विभाग की रिपोर्ट दो दिन में और लोक निर्माण विभाग की एक दिन में मांगी है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी और अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय भूसरेड्डी की कमेटी प्रांतीय चिकित्सा संवर्ग में तबादलों में हुई गड़बड़ियों की जांच करेगी तोंषि उत्पादन आयुक्त मनोज कुमार सिंह और अपर मुख्य सचिव संजय भूसरेड्डी लोक निर्माण विभाग में हुए तबादलों की जांच कर रिपोर्ट देंगे। प्रांतीय चिकित्सा संवर्ग (पीएमएस) में लगभग २५०० चिकित्सकों के तबादले हुए हैं। इनमें साढ़े चार सौ से अधिक के स्थानांतरण को लेकर शिकायतें हैं। जिन डाक्टरों के सेवानिवृत्त होने में दो साल से भी कम समय बचा है, उन्हें भी हटाकर दूसरी जगह भेज दिया गया। एक तो मृतक का भी तबादला कर दिया

गया। स्थानांतरण नीति का खुलकर उल्लंघन किया गया।विभाग ने ३० जून को स्थानांतरण सूची जारी की थी। उसके बाद से ही डाक्टर लामबंद हो गए। चार जुलाई को पीएमएस संघ की शिकायत पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद को चिट्ठी लिखकर इस मामले में चार बिंदुओं पर स्पष्टीकरण मांगा। इसके बावजूद स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी गलती मानने को तैयार नहीं हुए।डाक्टरों ने लगातार विरोध जारी रखा और आखिरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस प्रकरण में हस्तक्षेप करते हुए उच्च स्तरीय जांच कमेटी के गठन के निर्देश दे दिए हैं। पीएमएस संघ के अध्यक्ष डा. सचिन वैश्य ने सीएम का आभार जताया और कहा कि वह जांच में पूरा सहयोग देने को तैयार हैं। इससे पहले मंगलवार सुबह उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से पीएमएस संघ के महामंत्री डा. अमित सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की और गलत ढंग से किए गए २५० डाक्टरों के स्थानांतरण के साक्ष्य सहित दस्तावेज सौंपे। २०० और डाक्टरों के शिकायती पत्रों से संबंधित दस्तावेज एकत्र किए जा रहे हैं।

पत्नी को तलाक देने का झांसा देकर काम करने वाली युवती को फंसाया प्रेमजाल में

लखनऊ। पत्नी को तलाक देने का झांसा देकर एक युवक ने कंपनी में काम करने वाली युवती को प्रेमजाल में फंसाया। इसके बाद शादी का झांसा देकर दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। फिर वायरल करने की धमकी देकर दो साल तक शोषण करता रहा। युवती ने आरोपित के खिलाफ सरोजनीनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।सरोजनीनगर इलाके में रहने वाली युवती २०१६ से एक निजी कंपनी में नौकरी कर रही है। उसकी कंपनी में मुंबई के बसई का रहने वाला अक्षत बंसल उर्फ हैप्पी भी नौकरी करता है। आफीसियल मीटिंग के दौरान दोनों का मिलना जुलना होता था। बातचीत के दौरान दोनों में मित्रता हो गई। युवती के मुताबिक जुलाई में उसे पता चला कि अक्षत की शादी हो चुकी है। इस पर उसने अक्षत से विरोध किया। अक्षत ने शादी का झांसा दिया। कसमें खाईं और साथ निभाने के लिए कहा। इसके बाद उसने शादी का झांसा देकर होटल ले जाकर दुष्कर्म किया। इस बीच उसने वीडियो बना लिया। फिर वीडियो वायरल करने की धमकी देकर शोषण करता रहा। अक्षत की प्रताड़ना से त्रस्त होकर युवती ने तहरीर दी। इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य के मुताबिक आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता के मुताबिक अक्षत की शादी के बारे में जब उसे जानकारी हुई तो उसने दूरी बनाना शुरू कर दी। इस पर अक्षत ने कहा कि उसकी पत्नी का एक युवक से प्रेम प्रसंग है। इसलिए वह उसे तलाक देना चाहता है। तलाक देकर शादी करेगा। कोई दिक्कत नहीं होगी। यह कहकर उसने प्रेम जाल में फंसाया था।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र बौद्ध सिद्धांतों से प्रभावित, राष्ट्रीय प्रतीक का उल्लेख किया

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कहा कि भारत का लोकतंत्र बौद्ध सिद्धांतों और प्रतीकों से अत्यंत प्रभावित है। उन्होंने सारनाथ में अशोक स्तंभ से लिये गये राष्ट्रीय प्रतीक तथा

उस पर उत्कीर्ण 'धर्मचक्र' का उल्लेख भी किया। राष्ट्रपति द्वारा बौद्ध धर्म के एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रतीक का संदर्भ ऐसे समय में दिया गया जब नये संसद भवन की छत पर हाल ही में स्थापित राष्ट्रीय प्रतीक को लेकर विवाद खड़ा हो गया है और विपक्ष ने सरकार पर इसका स्वरूप बिगाड़ने का आरोप लगाया है, वहीं भाजपा इन आलोचनाओं को खारिज कर चुकी है। उत्तर प्रदेश के सारनाथ में धम्मचक्क दिवस २०२२ के समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंस से संबोधित करते हुए कोविंद ने कहा कि बौद्ध धर्म भारत की महानतम आध्यात्मिक परंपराओं में से एक है। उन्होंने कहा, ''भारत में भगवान बुद्ध के जीवन और उपदेशों से जुड़े अनेक पवित्र स्थल स्थित हैं। इनमें चार प्रमुख स्थान हैं। पहला बोधगया, जहां उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, दूसरा सारनाथ, जहां उन्होंने अपना पहला उपदेश दिया, तीसरा श्रावस्ती जहां उन्होंने सर्वाधिक चतुर्मास बिताये तथा सर्वाधिक उपदेश दिये और चौथा कुशीनगर जहां उन्होंने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया।'' कोविंद ने कहा कि भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद अनेक मठों, तीर्थस्थलों और उनके उपदेशों से जुड़े विश्वविद्यालयों की स्थापना की गयी जो ज्ञान का केंद्र रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''आज ये सभी स्थान बुद्ध परिपथ के भाग हैं जो देश और विदेश से तीर्थयात्रियों एवं धार्मिक पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।'' राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार उन्होंने कहा, ''हमारा लोकतंत्र बौद्ध सिद्धांतों और प्रतीकों से गहनता से प्रभावित है।'' उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ में अशोक स्तंभ से लिया गया है जिस पर धर्मचक्र भी उत्कीर्ण है। लोकसभा अध्यक्ष के आसन के पीछे सूत्र 'धर्म चक्र प्रवर्तनाय' अंकित है।'' कोविंद ने कहा कि भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार बाबासाहेब डॉ भीमराव आंबेडकर ने कहा था कि देश के संसदीय लोकतंत्र में प्राचीन बौद्ध संघों की अनेक प्रक्रियाओं को अपनाया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि भगवान बुद्ध के अनुसार शांति से बड़ा आनंद कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध के उपदेशों में आंतरिक शांति पर जोर दिया गया है। कोविंद ने कहा कि इस मौके पर इन उपदेशों को याद करने का उद्देश्य है कि सभी लोगों को उपदेशों का सही अर्थ समझना चाहिए और सभी बुराइयों तथा असमानताओं को दूर कर शांति एवं करुणा से भरी दुनिया बनानी चाहिए। संस्कृति मंत्रालय आजादी का अमृत महोत्सव के तहत इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कन्फेडरेशन के साथ मिलकर अषाण पूर्णिमा दिवस मना रहा है।

भगोड़े आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण के लिए प्रक्रियाओं को तेज करने की जरूरत : भारत

नयी दिल्ली। भारत ने भगोड़े आर्थिक अपराधियों कापता लगाने और उनके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेजी से शुरू करने पर जोर देते हुए बुधवार को कहा कि ऐसे अपराधियों की विदेशों में स्थित संपत्तियों को कुर्क करने के लिए उसे देश के कानून के दायरे में लाया जाना चाहिए। ब्रिक्स देशों की भ्रष्टाचार निरोधक मंत्रिस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए भारत के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने यह बात कही। उन्होंने ब्रिक्स सदस्य देशों की राष्ट्रीय एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारियों के आदान–प्रदान को बढ़ाकर धनशोधन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) पांच देशों का एक संगठन है। उन्होंने विदेशों में भ्रष्टाचार की आय के हस्तांतरण को रोकने के लिए प्रयास करने तथा वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के धनशोधन विरोधी और आतंकवाद के वित्तपोषण संबंधी मानकों को प्रभावी ढंग से लागू करने का भी आह्वान किया। जितेंद्र सिंह ने कहा, ''इसे लेकर किसी प्रकार का कोई संदेह नहीं है कि किसी देश की अर्थव्यवस्था और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर धनशोधन, बैंकिंग धोखाधड़ी और कर चोरी जैसे आर्थिक अपराधों का बेहद गंभीर प्रभाव पड़ता है।'' जितेंद्र सिंह ने

भ्रष्टाचार से निपटने के लिए ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच आपसी सहयोग को लेकर भविष्य की कार्रवाई योजना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे भगोड़े आर्थिक अपराधियों का पता लगाया जा सकता है और तेजी से उनका प्रत्यर्पण किया जा सकता है। इसके अलावा विदेशों में स्थित उनकी संपत्ति को देश के कानून की पहुंच के भीतर लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत भ्रष्टाचार और बेहिसाब धन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

राष्ट्रपति बना तो सुनिश्चित करूंगा CAA लागू नहीं हो : असम में बोले यशवंत सिन्हा

गुवाहाटी। विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने बुधवार को कहा कि अगर वह निर्वाचित होते हैं तो वह सुनिश्चित करेंगे कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू न हो। सिन्हा

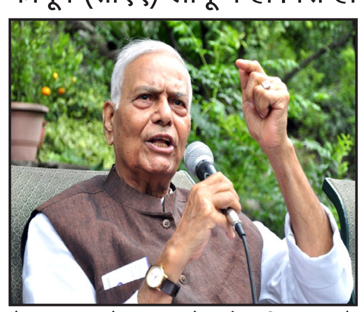

ने असम के सांसदों और विधायकों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार सीएए को अभी तक लागू नहीं कर पाई है क्योंकि इसका मसौदा जल्दबाजी में मूर्खतापूर्ण ढंग से तैयार किया गया था। उन्होंने कहा, नागरिकता असम के लिए एक बड़ा मुद्दा है और सरकार देश भर में कानून लाना चाहती है लेकिन अभी तक ऐसा नहीं कर पाई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, पहले सरकार ने कोविड–१६ महामारी का बहाना दिया, लेकिन अब भी वे इसे लागू नहीं कर पाए हैं क्योंकि यह जल्दबाजी में मूर्खतापूर्ण तरीके से तैयार किया गया अधिनियम है। सिन्हा ने कहा कि देश के संविधान को बाहरी ताकतों से नहीं बल्कि सत्ता में बैठे लोगों से खतरा है। यशवंत सिन्हा ने कहा, हमें देश के संविधान को बचाना होगा। यदि मैं राष्ट्रपति निर्वाचित होता हूं, तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएए लागू नहीं हो। सिन्हा १८ जुलाई को राष्ट्रपति पद के लिए होने वाले चुनाव के मद्देनजर असम के विधायकों और सांसदों का समर्थन हासिल करने के लिए इस समय राज्य के दौरे पर आए हुए हैं।

सहकारी चीनी मिलों के लाभ में आने पर किसानों को देंगे बोनस : योगी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के ५०.१० लाख गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाणपत्र (शेयर सर्टिफिकेट) वितरित किया। इसके

तहत प्रदेश के ४० जिलों की १६८ सहकारी गन्ना विकास समितियों और २४ सहकारी चीनी मिल समितियों से आने वाले गन्ना किसानों को प्रमाणपत्र दिया गया। यह पहली बार है जब गन्ना किसानों को अंशधारक प्रमाण पत्र वितरित किया जा रहा है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सहकारी चीनी मिलें जब लाभ में आएंगी तो किसानों को उसका बोनस भी दिया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि किसानों को नए सत्र के शुभारंभ से पहले गन्ना के बकाये का शत प्रतिशत भुगतान कर दिया जाएगा। सरकार किसानों के लिए बड़ा कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। अब किसानों को पराली नहीं जलानी पड़ेगी और बायोफ्यूल से जुड़ी इकाइयां उनके घर से पराली खरीद लेंगी। इससे सीएनजी बनेगा और डीजल पेट्रोल पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार किसानों के साथ खड़ी है। उत्तराखंड का बजट ६१००० करोड़ है लेकिन हमने १७७००० करोड रुपए का किसानों को गन्ना भुगतान किया। सरकार अब विविधीकरण व प्राकृतिक खेती पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को सस्ता ईंधन मिले यही हमारी मंशा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में हैं। पहले की सरकारें अनिर्णय की शिकार थीं और जो भी निर्णय लिए जाते थे वो उनके अपने हितों वाले होते थे। किसानों का हित उसमें शामिल नहीं था। हम लगातार किसानों के लिए काम कर रहे हैं। किसानों की खुशहाली हमारी लक्ष्य है। किसानों के लिए हर तरह की सुविधा देने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने गन्ना के बकाया भुगतान पर कहा कि हमारी कोशिश है कि नया सत्र प्रारंभ होने से पहले भुगतान कर दिया जाए।उन्होंने कहा कि हम गन्ना किसानों के लिए नई तकनीक अपनाने की तरफ अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अब तक १.७७ हजार करोड़ रुपये गन्ना किसानों का भुगतान किया। किसानों का हक कोई न मार सके इसलिए ई–पर्ची व्यवस्था का प्रयोग किया जा रहा है। हमारी सरकार ने गन्ना माफियाओं की कमर तोड़ दी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम गन्ने की खेती को बेहतर करने के लिए काम कर रहे हैं। किसानों को अच्छे बीच उपलब्ध करवा रहे हैं। किसानों को भी तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। हमारी कोशिश है कि समय से किसानों को भुगतान हो। उन्हें उन्नत बीज मिलें और उनकी फसल पर उन्हें लाभ मिले।

दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर नीट-यूजी परीक्षा स्थगित करने का अनुरोध

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय पात्रता–सह–प्रवेश परीक्षा– स्नातक (नीट–यूजी) के अनेक अभ्यर्थियों ने बुधवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके अनुरोध किया है कि अधिकारियों को १७ जुलाई को होने वाली २०२२ की परीक्षा स्थगित करने का निर्देश दिया जाए। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ के समक्ष याचिका का उल्लेख किया गया, जिसने इसे बृहस्पतिवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने की अनुमति दे दी। याचिकाकर्ताओं के वकील ने यह जानकारी दी। याचिका कर्ताओं ने कहा है कि अधिकारियों द्वारा उनकी शिकायतों पर ध्यान देने के बाद परीक्षा की तिथि पुनरू निर्धारित करने के लिए नये सिरे से अधिसूचना जारी की जानी चाहिए।

मतपेटियां यात्रियों के रूप में भर रही 'उड़ान'

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो रही है। हर राज्य में मत पेटियां को भेजा जा रहा है यानी बैलेट बॉक्स को भेजा जा रहा है। लेकिन आपको बता दें कि जिस तरह से बैलेट बॉक्स को लाया जाता है। बिजनेस क्लास में बकायदा टिकट बुक होती है। जो सीट बुक होती है। एक सीट पर अधिकारी बैठे होते हैं। वहीं उनके बगल वाली सीट पर बैलेट बॉक्स की सीट होती है। टिकट बुक होती है उस पर भी नाम मिस्टर बैलेट बॉक्स लिखा होता है। इसे कार्गो से नहीं लाया जाता है। ३१ राज्यों से मत पेटियां, इसी तरह संसद भवन से मत पेटियां कमरा नं ६२ में पहुंचेंगी। लेकिन राज्यों से लाई जाने वाली मत पेटियां के सुरक्षा के भी इंतजाम होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतपेटियां यात्रियों के रूप में 'उड़ान' भर रही हैं। इनमें से प्रत्येक को विमान में एक सीट आवंटित की गई है। वे ज्यादातर राज्यों की

राजधानियों को जा रही हैं जहां उनका इस्तेमाल १८ जुलाई को होने वाले मतदान के लिए किया जाएगा। मतपेटियों के लिए 'मिस्टर वैलेट बॉक्स' के नाम से अलग से टिकट बुक की जाएंगी। राष्ट्रपति चुनाव के दौरान वैलेट बॉक्स दिल्ली से अलग–अलग राज्य भेजे जाने के वक्त उनके लिए अलग से हवाई जहाज में के टिकट बुक कराया जाता है। मिस्टर वैलेट बॉक्स के नाम से टिकट बुक होता है और हवाई जहाज की सबसे आगे वाली सीट पर जगह दी जाती है। देश के सर्वोच्च पद के लिए होने वाले चुनाव को सम्मान देने के लिए ऐसा किया जाता है। सर्वोच्च पद के लिहाज से राष्ट्रपति चुनाव देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव माना जाता है। भले ही सीधे तौर पर इसमें जनता की भागीदारी नहीं होती हो। लेकिन इसकी महत्ता काफी अधिक है। यही वजह है कि मतपेटियां यात्रियों के रूप में 'उड़ान' भर रही हैं। इन बॉक्सों की आवाजाही, स्टोरेज और इस्तेमाल में विशेष सावधानी बरतते हुए प्रोटोक ल का पालन किया जाता है।

मोदी सरकार पर फिर बरसे राहुल गांधी, बोले– 'इगोन मिक्स' ने 'इकोन मिक्स' को पछाड़ दिया

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महंगाई, बढ़ती बेरोजगारी और कर्ज के मुद्दों तथा डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट होने को लेकर बुधवार को सरकार पर प्रहार किया। उन्होंने सरकार के कर्ज, बेरोजगारी और रुपये के मूल्य के आंकड़ों को साझा करते हुए एक ट्वीट में कहा, 'जब 'इगोन मिक्स' ने 'इकोन मिक्स' (अर्थव्यवस्था) को पछाड़ दिया।'' राहुल ने इस तरह का ब्योरा देने के लिए एक सारिणी साझा की और कहा कि २०१४ में सरकार का कर्ज ५६ लाख करोड़ रुपये था, जो २०२२ में १३६ लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी तरह, उन्होंने कहा कि बेरोजगारी दर २०१४ के ४.७ प्रतिशत की तुलना में २०२२ में ७.८ प्रतिशत हो गई है और रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमत २०१४ के ४१० रुपये से बढ़ कर १,०५३ रुपये हो गई है। राहुल ने यह दावा भी किया कि प्रति व्यक्ति कर्ज २०१४ में ४४,३४८

रुपये था जो बढ़ कर २०२२ में १,०१,०४८ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि व्यापार घाटा २०१४ के १३५ अरब डॉलर की तुलना में अभी १६० अरब डॉलर है। सारिणी में यह भी उल्लेख किया गया है कि २०१४ में रुपये का मूल्य प्रति डॉलर ५६ रुपये था, जो अब ८० रुपये हो गया है।

कांग्रेस ने अंसारी और सोनिया के खिलाफ भाजपा के ''आक्षेप और कटाक्ष'' की निंदा की

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी और पूर्व उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी के खिलाफ भाजपा द्वारा लगाए गए कथित ''आक्षेपों और कटाक्षों'' की बुधवार को कड़ी निंदा की। पार्टी ने कहा कि यह बहुत ही खराब तरह का चरित्र हनन है। विपक्षी पार्टी भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया के बयान पर प्रतिक्रिया दे रही थी। भाटिया ने कहा था कि अंसारी और कांग्रेस को पाकिस्तानी पत्रकार नुसरत मिर्जा के दावों पर जवाब देना चाहिए। मिर्जा ने दावा किया था कि पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के दौरान वह भारत आए थे और यहां से सूचना एकत्रित कर अपने देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई को दी थी। वर्ष २००७ से २०१७ तक भारत के उप राष्ट्रपति रहे अंसारी ने इन आरोपों का खंडन करते हुए कहा कि यह ''झूठ का पुलिंदा'' है जिसे मीडिया के एक वर्ग और भाजपा प्रवक्ता द्वारा उनके विरुद्ध फैलाया जा रहा है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता जयराम रमेश ने यहां जारी बयान में कहा कि प्रधानमंत्री और उनके पार्टी सहयोगियों ने जिस स्तर पर उतर कर '' सार्वजनिक विमर्श को कमजोर किया है, वह आश्चर्यजनक है।'' उन्होंने कहा ''भाजपा द्वारा सोनिया गांधी और

हामिद अंसारी पर आक्षेप और कटाक्ष, चरित्र हनन का बहुत ही खराब स्वरूप है और इसकी कड़े शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।'' भाजपा प्रवक्ता भाटिया ने मिर्जा की कथित टिप्पणी के हवाले से कहा कि वह अंसारी के न्योते पर भारत आए थे। सोशल मीडिया पर मिर्जा के साक्षात्कार का वीडियो प्रसारित हो रहा है, जिसमें वह इंगित कर रहे हैं कि उन्होंने भारत में आतंकवाद पर आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लिया था और उसमें अंसारी भी वक्ता थे। कांग्रेस ने कहा कि तथ्य यह है कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और मानवाधिकार पर न्यायविदों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ११ दिसंबर २०१० को नयी दिल्ली में हुआ था, जिसकी जानकारी पहले ही सार्वजनिक मंच पर है और भाजपा केवल झूठ फैला रही है। गौरतलब है कि संवाददाता सम्मेलन में भाटिया ने कहा, ''भारत की जनता आपको इतना सम्मान दे रही है और आप देश से विश्वासघात कर रहे हैं। क्या यह देशद्रोह नहीं है? सोनिया गांधी, राहुल गांधी और हामिद अंसारी को इस पर सफाई देनी चाहिए।'' भाटिया ने संवाददाताओं से कहा कि अगर तत्कालीन उप राष्ट्रपति के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी, सत्तारूढ़ दल द्वारा उठाए गए सवालों पर चुप रहते हैं, तो यह ''इन पापों'' को स्वीकार करने के समान होगा।

श्रीलंका के हालात और बिगड़े

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के मालदीव भाग जाने के बाद से श्रीलंका के हालात बिगड़ते जा रहे हैं। खबर है कि मालदीव से अब राजपक्षे सिंगापुर के लिए जाने वाले हैं। बुधवार सुबह जैसे ही राष्ट्रपति के भाग जाने की खबर श्रीलंका के लोगों

को मिली तो प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर पड़े। प्रदर्शनकारियों ने देश के सरकारी टेलीविजन चौनल रूपाविहिनी की इमारत पर धावा बोल दिया जिसके बाद चौनल ने प्रसारण निलंबित कर दिया। इस बीच, राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के इस्तीफे की मांग कर रहे सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री कार्यालय के गेट तोड़ दिए हैं। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे, जिन्होंने एक बैरिकेड तोड़ दिया और प्रधानमंत्री कार्यालय पर धावा बोल दिया। उधर, श्रीलंका में आपातकाल की घोषणा कर दी गई है। इस बीच, प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद श्रीलंका के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाये गये रानिल विक्रमसिंघे ने कहा है कि देश के लोकतंत्र को फासीवाद से खतरा है। उन्होंने अपने कार्यालय में सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों के धावा बोलने के कुछ घंटे बाद सामान्य स्थिति बहाल करने तथा सरकारी संपत्ति को बचाने का संकल्प व्यक्त किया। विक्रमसिंघे ने अपने पहले टेलीविजन भाषण में कहा कि उन्होंने सैन्य कमांडरों और पुलिस प्रमुख को आदेश दिया है कि व्यवस्था बहाल करने के लिए जो कुछ जरूरी है, किया जाए। उन्होंने कहा, ''हमें लोकतंत्र पर मंडरा रहे इस फासीवादी खतरे को समाप्त करना चाहिए। हम सरकारी संपत्ति को बर्बाद नहीं होने दे सकते।श् उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति कार्यालय, राष्ट्रपति सचिवालय और प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास में उचित सुरक्षा बहाल होनी चाहिए।''

वीमेन पावर लाइन १०९० चौराहे के सामने युवती से अभद्रता

लखनऊ। वीमेन पावर लाइन के सामने मंगलवार रात पार्क में बैठी सेक्टर एच जानकीपुरम निवासी शिवानी से ट्रैफिक विभाग में तैनात सिपाही ने खुद को क्राइम ब्रांच का सिपाही बताकर शिवानी से दुर्व्यवहार शुरू कर दिया। उसके साथ दो और लोग भी थे। शिवानी ने विरोध किया तो उसकी पिटाई कर दी। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग वहां पहुंच गए। पीड़िता ने आपबीती बताई तो लोगों ने आइकार्ड दिखाने को कहा। इस पर आरोपित घबरा गए। हालांकि लोगों ने तीनों युवकों में से एक का आइकार्ड ले लिया। इस बीच वहां लोगों की भीड़ जमा होने लगी, जिसे देखकर तीनों एक ही बाइक से भाग निकले। इस दौरान वहां आरोपितों की एक बाइक छूट गई। गौतमपल्ली पुलिस वहां पहुंची।पुलिस आयुक्त डीके ठाकुर

ने मामले में जांच कर कार्रवाई के आदेश दिए। शिवानी की तहरीर पर गौतमपल्ली थाने में एफआइआर दर्ज की गई। पड़ताल में पता चला कि आईकार्ड कांस्टेबल करन सिंह यादव के नाम है, जो ग्राम सुल्तानपुर, थाना सारनाथ जिला वाराणसी का रहने वाला है। वहीं, बरामद बाइक करन के भाई के नाम से दर्ज है। करन वर्तमान में यातायात पुलिस लाइन लखनऊ में तैनात है।मामले की गंभीरता को देखते हुए डीसीपी मध्य ने डीसीसी ट्रैफिक को रिपोर्ट भेजी। इसके बाद बुधवार को आरोपित सिपाही करन को निलंबित कर दिया गया। पुलिस अभी तक तीनों आरोपितों में से किसी को भी गिरफ्तार नहीं कर सकी है। एडीसीपी मध्य राघवेंद्र कुमार मिश्र ने बताया कि पीडिृता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

देह व्यापार रैकेट का भंडाफोड़, नाबालिग सहित दो नाइजीरियाई को बचाया गया

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर में पुलिस ने देह व्यापार के रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए वेश्यावृत्ति में जबरन धकेली गई एक नाबालिग तथा एक नाइजीरियाई महिला को मुक्त कराया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया एक सूचना के आधार पर मीरा भयंदर–वसई विरार पुलिस के मानव तस्करी रोधी प्रकोष्ठ ने मंगलवार शाम को नालासोपारा इलाके में एक फ्लैट पर एक फर्जी ग्राहक को भेजा, उसी स्थान से कथित तौर पर रैकेट चलाया जा रहा था और बाद में वहीं छापा मारा गया। पुलिस निरीक्षक संतोष चौधरी ने कहा कि पुलिस की टीम ने दो नाइजीरियाई महिलाओं को मुक्त कराया। इनमें से एक की उम्र १६ वर्ष और दूसरी की २२ वर्ष है। इन्हें जबरन देह व्यापार में धकेला गया था। पुलिस ने एक नाइजीरियाई व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया है। अकोला पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। नाबालिग और महिला को आश्रय गृह भेजा गया है।

मुख्यमंत्री योगी ने दी ४६४ करोड़ रुपये की परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर जिले के नौ विधानसभा क्षेत्रों में विकास की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने शहर से लेकर देहात तक सुदृढ़ सड़कों के संजाल का लोकार्पण किया, तो बाढ़ से निजात के लिए बचाव से जुड़ी कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया।सीएम योगी ने कहा कि गुरु पूर्णिमा से एक दिन पूर्व जनपद गोरखपुर में आज ४६३.६० करोड़ की २०८ विकास परियोजनाओं के लोकार्पणधशिलान्यास के अवसर पर मैं गोरखपुरवासियों को हृदय से बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। विकास हम सभी के जीवन में परिवर्तन लाता है। इसीलिए विभिन्न क्षेत्रों में विकास की परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाना सरकार की प्राथमिकता है। बिना भेदभाव के विकास का लाभ समाज के प्रत्येक तबके को प्राप्त हो सके, इस उद्देश्य पर सरकार निरंतर कार्यरत है।कहा कि कानून के साथ खिलवाड़ करने की इजाजत किसी को नहीं है। यूपी सरकार के इस संकल्प के साथ आगे बढ़ने से लोगों का प्रदेश के प्रति पर्सेप्शन बदला है। विगत ०५ वर्षों में ४५ लाख से अधिक गरीबों को ग्रामीण व शहरी क्षेत्र में एक–एक आवास उपलब्ध हुआ है।सीएम ने कहा कि स्ट्रीट वेंडर्स

को लोग हटाते थे, उन्हें शोषण का जरिया बनाते थे। लेकिन व्यवस्थित रूप से उन्हें योजनाओं के साथ जोड़कर उनके जीवन में उन्नयन लाने का कोई भी प्रयास इससे पूर्व नहीं हो पाया था। आज प्रदेश में ८.५० लाख स्ट्रीट वेंडर्स प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के साथ जुड़कर उसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश में १.६७ लाख गरीबों को निःशुल्क रसोई गैस कनेक्शन प्राप्त हुआ है। यूपी सरकार ने तय किया है कि दीपावली और होली पर्व पर उन्हें मुफ्त में एलपीजी सिलिंडर उपलब्ध कराया जाएगा।गोरखपुर क्लब में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करीब ४६४ करोड़ रुपये के विकास कार्यों का तोहफा दिया। वह २६८ करोड़ ८१ लाख ७२ हजार रुपये से अधिक की लागत वाली १८१ विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व १६४ करोड़ ७७ लाख ६५ हजार रुपये से होने वाले २७ विकास कार्यों का शिलान्यास किया।इन विकास कार्यों से सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों गोरखपुर शहर, गोरखपुर ग्रामीण, पिपराइच, कैम्पियरगंज, चौरीचौरा, सहजनवां, चिल्लूपार, बांसगांव, खजनी को लाभान्वित किया गया है। सर्वाधिक कार्य सड़क व बाढ़ बचाव को लेकर हैं। साथ ही २.३२ करोड़ रुपये से तरकुलहा देवी मंदिर के सुंदरीकरण कार्य व खजनी आईटीआई में ४.३५ करोड़ रुपये की लागत से बनी कार्यशालाओं तथा थ्योरी कक्षों का भी लोकार्पण हुआ।मुख्यमंत्री के हाथों जिन विकास कार्यों का लोकार्पण हुआ, उनमें गोरखपुर विकास प्राधिकरण की ६६, लोक निर्माण विभाग की ४२, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग की २४, बाढ़ खंड की पांच, यूपी सिडको की तीन, यूपीपीसीएल, सीएंडडीएस व बाढ़ खंड दो की दो–दो तथा ड्रेनेज खंड व राजकीय निर्माण निगम की एक–एक परियोजना शामिल है।इसी तरह लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड तीन की १३, बाढ़ खंड दो की सात, ड्रेनेज खंड की छह तथा बाढ़ खंड की एक परियोजना का शिलान्यास हुआ। सावन के पहले दिन यानी १४ जुलाई को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पौराणिक व ऐतिहासिक महत्व वाले मानसरोवर शिव मंदिर और वहीं पर स्थित रामलीला मैदान अंधियारी बाग के जीर्णोद्धार व सुंदरीकरण कार्यों का भी लोकार्पण करेंगे। मानसरोवर शिव मंदिर को सजाने–संवारने में ६ करोड रुपए खर्च किए गए हैं। मंदिर परिसर में मल्टीपरपज हॉल, प्रसाधन, ५० लोगों की क्षमता का रैन बसेरा, दो टूरिस्ट शेल्टर, परिसर स्थित सरोवर पर रेड स्टोन रेलिंग, हवन कुंड, रेड स्टोन पाथवे, उद्यान, महिला–पुरुष व दिव्यांगजन के लिए ट यलेट ब्लॉक, पार्किंग, बाउंड्रीवाल का निर्माण, लैंडस्कैपिंग, प्रवेश द्वार, पार्किंग के निर्माण के साथ ही सोलर पैनल तथा विक्टोरिया व गार्डन लाइट लगाए गए हैं। इसी तरह मानसरोवर शिव मंदिर के पास स्थित रामलीला मैदान (अंधियारीबाग) का जीर्णोद्धार तथा सुंदरीकरण १. ६४ करोड़ रुपए की लागत से कराया गया है। रामलीला के लिए मंच, ग्रीन रूम, बाउंड्रीवाल, टॉयलेट ब्लॉक, उद्यान, दो प्रवेश द्वार बनाने के साथ ही लैंडस्कैपिंग भी कराई गई है। रामलीला मैदान में स्थित डॉ बीआर आंबेडकर की प्रतिमा स्थल का सुंदरीकरण भी कराया गया है।

माननीयों की बिगड़ी जुबान पर संसद में लगेगी लगाम

लखनऊ। संसद का मानसून सत्र १८ जुलाई को आरंभ होकर १२ अगस्त तक चलेगा। इसमें कुल २६ दिनों की अवधि में १८ बैठकें होंगी। संसद का यह सत्र खास रहने वाला है, क्योंकि १८ जुलाई को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान होना है। दूसरी ओर, उपराष्ट्रपति का चुनाव ६ अगस्त को होगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने संसद के मानसून सत्र से पहले १६ जुलाई २०२२ को शाम ४ बजे लोकसभा संसदीय नेताओं की बैठक बुलाई है। आपने अक्सर संसद में चर्चा के दौरान माननीयों की तरफ से कई सारे शब्दों का प्रयोग करते हुए सुना होगा जिसे बेहद चुटीले अंदाज में या फिर विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा गया हो। लेकिन अब संसद में कुछ ऐशे शब्दों के प्रयोग को अमर्यादित आचरण माना गया है और इनका प्रयोग सदन में वर्जित होगा। लोकसभा सचिवालय ने '' असंसदीय शब्द २०२१ '' शीर्षक के तहत ऐसे शब्दों एवं वाक्यों का नया संकलन तैयार किया है जिन्हें 'असंसदीय अभिव्यक्ति' की श्रेणी में रखा गया है। संसद के मानसून सत्र से ठीक पहले सदस्यों के उपयोग के लिये जारी किये गए इस संकलन में ऐसे शब्द या वाक्यों को शामिल किया गया है जिन्हें लोकसभा, राज्यसभा और राज्यों के विधानमंडलों में वर्ष २०२१ में असंसदीय घोषित किया गया था। संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सदस्य अब चर्चा में हिस्सा लेते हुए जुमलाजीवी, बाल बुद्धि सांसद, शकुनी, जयचंद, लॉलीपॉप, चाण्डाल चौकड़ी, गुल खिलाए, पिठ्ठू जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। ऐसे शब्दों के प्रयोग को अमर्यादित आचरण माना जायेगा और वे सदन की कार्यवाही का हिस्सा नहीं होंगे। संकलन के अनुसार, असंसदीय शब्द, वाक्य या अमर्यादित अभिव्यक्ति की श्रेणी में रखे गए शब्दों में कमीना, काला सत्र, दलाल, खून की खेती, चिलम लेना, छोकरा, कोयला चोर, गोरू चोर, चरस पीते हैं, सांड जैसे शब्द शामिल हैं। 'अध्यक्षीय पीठ पर आक्षेप' को लेकर भी कई वाक्यों को असंसदीय अभिव्यक्ति की श्रेणी में रखा गया है। इसमें 'आप मेरा समय खराब कर रहे हैं, आप हम लोगों का गला घोंट दीजिए, चेयर को कमजोर कर दिया है और यह चेयर अपने सदस्यों का संरक्षण नहीं कर पा रही है, आदि शामिल हैं।

पांच साल की मासूम का मुंह दबाकर दुष्कर्म, गिरफ्तार

लखनऊ। पारा इलाके में एक आटो चालक काजू बुधवार रात पड़ोस में रहने वाली पांच साल की बच्ची को चाकलेट दिलाने के बहाने अपने घर ले गया। इसके बाद उसके दुष्कर्म किया। बच्ची के चीखने पर मुंह दबा दिया था। बच्ची बदहवास हालत में किसी तरह घर पहुंची तो परिवारीजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसे भर्ती कर लिया गया। उधर, बुधवार को पुलिस ने आरोपित काजू को गिरफ्तार कर लिया। पारा क्षेत्र में मंगलवार रात एक पांच साल की बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इस बीच पड़ोस में रहने वाला आटो चालक काजू,

बच्ची को चाकलेट देने के बहाने अपने घर ले गया। वहां पर बच्ची से दुष्कर्म किया। विरोध पर उसे पीटा। बच्ची चीखी तो वहशी ने उसका मुंह दबा दिया। बच्ची की हालत बिगड़ती देख बाहर निकालकर वह भाग गया। बच्ची बदहवास हालत में किसी तरह अपने घर पहुंची। हालत बिगड़ती देख घरवाले उसे रानी लक्ष्मी बाई अस्पताल लेकर भागे। जहां, बच्ची की हालत नाजुक देख उसे भर्ती कर लिया गया। बच्ची के घरवालों ने बुधवार को आरोपित के खिलाफ तहरीर दी। इंस्पेक्टर दधिबल तिवारी ने बताया कि आरोपित के खिलाफ पाक्सो और दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

मानक पूरा नहीं करने वाले २० नर्सिंग कालेजों पर सीएम योगी की सख्त कार्रवाई

लखनऊ। मानक से कम शिक्षक और संसाधन होने के कारण २० नर्सिंग कालेजों में दाखिले पर रोक लगा दी गई है। अब यह नर्सिंग कालेज शैक्षिक सत्र २०२२–२३ में प्रवेश नहीं ले पाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर नर्सिंग कालेजों में मानकों की जांच की गई और रिपोर्ट सामने आने के बाद मानक विहीन पाए गए २० नर्सिंग कालेजों पर कार्रवाई की गई है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नर्सिंग कालेजों में गुणवत्तापरक पढ़ाई पर जोर दे रहे हैं। सीएम योगी के निर्देश पर १६१ नर्सिंग कालेज जो डिप्लोमा स्तरीय कोर्स चला रहे थे, वहां शिक्षक व छात्र अनुपात ५० प्रतिशत से कम पाया गया। यूपी राज्य चिकित्सा संकाय की आरे से टेलीफोन के माध्यम से इनसे ब्योरा लिया गया तो यह सच्चाई सामने आई। इन्हें नोटिस भेजकर मानक पूरे करने के निर्देश दिए गए। ३२ नर्सिंग कालेजों ने नोटिस का जवाब ही नहीं दिया। इन्होंने अनिवार्य बायोमीट्रिक उपस्थिति का ब्योरा भी नहीं भेजा। इसके बाद इनका ई–सत्यापन किया गया। वीडियो काल के माध्यम से हर ट्यूटर की उनके पंजीकरण दस्तावेजों के साथ उनके आधार कार्ड का उपयोग कर उनकी पहचान की गई।पांच और नर्सिंग कालेज इस प्रक्रिया से भोग निकले। छह संस्थानों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले सामने आए। नौ कालेज सत्यापित संकाय के मानक पूरा नहीं कर पाए। मथुरा और अमरोहा में सबसे ज्यादा गड़बड़ियां मिली हैं। प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा आलोक कुमार का कहना है कि गुणवत्तापरक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इन २० नर्सिंग कालेजों में दाखिले पर रोकः देव एजुकेशन कालेज आगरा, चिरंजीव नर्सिंग संस्थान अयोध्या, झुनझुनवाला इंस्टीट्यूट आफ

मेडिकल साइंस अयोध्या, अखिल भारतीय बाल देखभाल एवं शैक्षिक विकास समिति आजमगढ़, श्री बाबा सादवरम पैरामेडिकल एंड नर्सिंग कालेज आजमगढ़, क्लारा स्वैन अस्पताल बरेली, एनआइएमटी अस्पताल गौतमबुद्ध नगर, मां गायत्री इंस्टीट्यूट आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज गोंडा, उपकर स्कूल आफ नर्सिंग हापुड़, भारतीय नर्सिंग कालेज अमरोहा, गंगोत्री स्कूल आफ नर्सिंग कालेज अमरोहा, संजीवनी नर्सिंग कालेज अमरोहा, राय केबी सिंह नर्सिंग एंड पैरामेडिकल कालेज जौनपुर, करियर कालेज आफ नर्सिंग लखनऊ, मेयो मेडिकल सेंटर लखनऊ, लाइफ लाइन स्कूल आफ नर्सिंग मथुरा, एसएम नर्सिंग कालेज मथुरा, एनआरसी नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट मथुरा, रूमा इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंस प्रतापगढ़ और वाराणसी का डा. विजय कालेज आफ नर्सिंग एंड मेडिकल शामिल है।

लुलु मॉल में पहले ही दिन बना रिकॉर्ड, एक लाख से ज्यादा लोगों ने की एंट्री

लखनऊ। लुलु माल अपने शुरुआत के पहले दिन ही एक लाख से अधिक विजिटर्स का गवाह बना, यह रिटेल इंडस्ट्री के लिए एक ऐतिहासिक और

महत्वपूर्ण पहला दिन कहा जा सकता है। लुलु ग्रुप का फ्लैगशिप, लुलु हाइपरमार्केट, और सबसे बड़ा इनडोर फैमिली एंटरटेनमेंट सेंटर फंटुरा, आगंतुकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गया। बच्चे और बड़ों ने एक साथ कैरुसेल, मिनी कोस्टर्स, ड्राप टावर्स, नॉवेल्टी गेम्स, वीआर–सक्षम एडवेंचर एरीना गेम्स, आर्केड वीडियो गेम्स, एक्सडी थियेटर इत्यादि का लुफ्त उठाया। विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की पेशकश करने वाले विशाल फूड कोर्ट को भी दर्शकों ने सराहा। इसी तरह, परिवार लूलू हाइपर मार्केट का आनंद ले रहे हैं, जिसमें लूलू फैशन स्टोर और लूलू कनेक्ट शामिल हैं, जो ग्रोसरी (फल और सब्जियां, फ्रेश फूड, बेकरी, डेयरी, पिज्जा और स्नैक्स, हॉट फूड, रोस्टरी और स्वादिष्ट भोजन), हेल्थ और ब्यूटी, घरेलू जरूरतों, गारमेंट्स, शूज, इलेक्ट्र निक्स, स्टेशनरी, घरेलू उपकरणों सहित वैश्विक और स्थानीय शॉपिंग के अनेक विकल्प पेश करते हैं। इसके अलावा, अधिकांश आगंतुकों ने मॉल की खुली जगहों का भी आनंद लिया। लुलु मॉल लखनऊ के जनरल मैनेजर समीर वर्मा ने कहा लखनऊ के लोगों से हमें जो प्रतिक्रिया मिली है, उससे हम अभिभूत हैं। पहले ही दिन एक लाख से अधिक लोगों का मॉल मे आना यह दर्शाता है की लुलु मॉल के लिए लखनऊ वासियों में कितना उत्साह था। हमें जो प्यार मिला है, उसके लिए हम आभारी हैं और हमें यकीन है कि लुलु मॉल अब उत्तर प्रदेश राज्य में खरीदारी और फुरसत के पल गुजारने के लिए एक ऐतिहासिक स्थल बन जाएगा। बताते चलें कि अमर शहीद पथ के गोल्फ सिटी में स्थित २.२ मिलियन वर्ग फुट में फैले लुलु मॉल लखनऊ ने भारत में कुछ सबसे बड़े ब्रांडों को जगह दी है जिसमें लूलू हाइपर मार्केट, लुलु फैशन स्टोर, लुलु कनेक्ट, यूनीक्लो, डेकाथल न, स्टारबक्स, नायका लक्स, कल्याण ज्वैलर्स, कोस्टा कॉफी और चिलीज जैसे अन्य ब्रांड शामिल हैं। यहाँ आने वाले लोगों के विविध स्वाद के लिए, मॉल में १५ बढ़िया भोजन रेस्तरां और कैफे हैं, और २५ ब्रांड आउटलेट के साथ एक विशाल फूड कोर्ट है जिसमें १६०० लोगों के बैठने की क्षमता है। लूलू मॉल लखनऊ में सबसे अच्छे आभूषण, फैशन और प्रीमियम व च ब्रांड्स के साथ एक डेडिकेटेड वेडिंग शॉपिंग एरिना भी है। लूलू मॉल में ३००० सेअधिक वाहनों के लिए एक मल्टी–लेवल पार्किंग की सुविधा भी है।

महिला उत्पीड़न पर रोकथाम लगाया जाए : विमला बाथम

लखनऊ। महिला उत्पीड़न और महिलाओं के साथ बढ़ रहे अपराधों की रोकथाम और प्रभावी कार्यवाही किए जाने के उद्देश्य से बुधवार को उप्र महिला आयोग की अध्यक्ष विमला बाथम ने डीजीपी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने डीजीपी से कहा कि पीड़िताओं यथाशीघ्र जल्द न्याय दिलाए जाने के लिए माह के प्रथम व तृतीय बुधवार को प्रदेश के कई जिलों में स्थलीय महिला जनसुनवाई के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। जिनमें महिला उत्पीड़न के शिकायती प्रार्थना पत्रों पर कार्यालय दिवसों पर सुनवाई होती है। महिला उत्पीड़न की गम्भीर घटनाओं की स्थलीय जांच, बालिका गृहों, महिला बन्दी गृहों, महिला चिकित्सालयों का निरीक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये जाते हैं। अध्यक्ष ने थानों पर पीड़ित महिलाओं के साथ सहृदयता के साथ व्यवहार करना, महिलाओं की शिकायत प्राथमिकता पर निस्तारण किये जाने, महिला उत्पीडन की घटनाओं पर त्वरित समयबद्ध जांच किये जाने पर विचार–विमर्श हुआ। अध्यक्ष ने जिलों में महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम के लिए नामित नोडल अधिकारियों के साथ नियमित रूप से उनके जिलों में

महिला उत्पीडन की समीक्षा कर शिकायती प्रार्थना पत्रों की प्राथमिकता पर समयबद्ध निस्तारण कराये जाने के लिए निर्देश जारी कराये जाने की अपेक्षा की। अध्यक्ष की ओर से समस्त थानों में महिलाओं के लिए शौचालय, पीने का पानी की व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने व कई जिलों में स्थापित पिंक बूथ व महिला हेल्प डेस्कों को पूरी तरह से क्रियाशील रहने के सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कराये जाने के लिए पुलिस महानिदेशक उप्र को निर्देशित किया।

साजिशकर्ता का जाली पासपोर्ट बनाने के मामले में पांच लोग गिरफ्तार

नयी दिल्ली। पुलिस ने जाली पासपोर्ट हासिल करने में लॉरेंस बिश्नोई के भतीजे की मदद के आरोप में दो महिलाओं समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने जाली पासपोर्ट हासिल करने में बिश्नोई के भतीजे सचिन थापन और अन्य बदमाशों की मदद की। बिश्नोई पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या की साजिश में कथित रूप से शामिल था। पुलिस ने कहा कि अनमोल बिश्नोई और सचिन थापन ने मूसेवाला की हत्या का षड़यंत्र रचा था। उन्होंने भाड़े पर शूटरों को रखा, उन्हें हथियार मुहैया कराए और बाद में जाली पासपोर्ट का इस्तेमाल कर देश से भाग गए। आरोपियों की पहचान राहुल सरकार (२७), अरिजित कुमार (५५), नवनीत प्रजापति (३३), सोमनाथ प्रजापति (३३) और २७ वर्षीय महिला के रूप में हुई है। पुलिस को चार जुलाई को सरकार की आवाजाही के बारे में गुप्त सूचना मिली थी, जो ल रेंस बिश्नोई गिरोह के अन्य सदस्यों के संपर्क में था। इसके बाद साकेत मेट्रो स्टेशन के निकट फुटओवर ब्रिज के पास जाल बिछाकर सरकार और अन्य आरोपियों को पकड़ लिया गया।

लडकी घोंघा से करती है बेपनाह प्यार

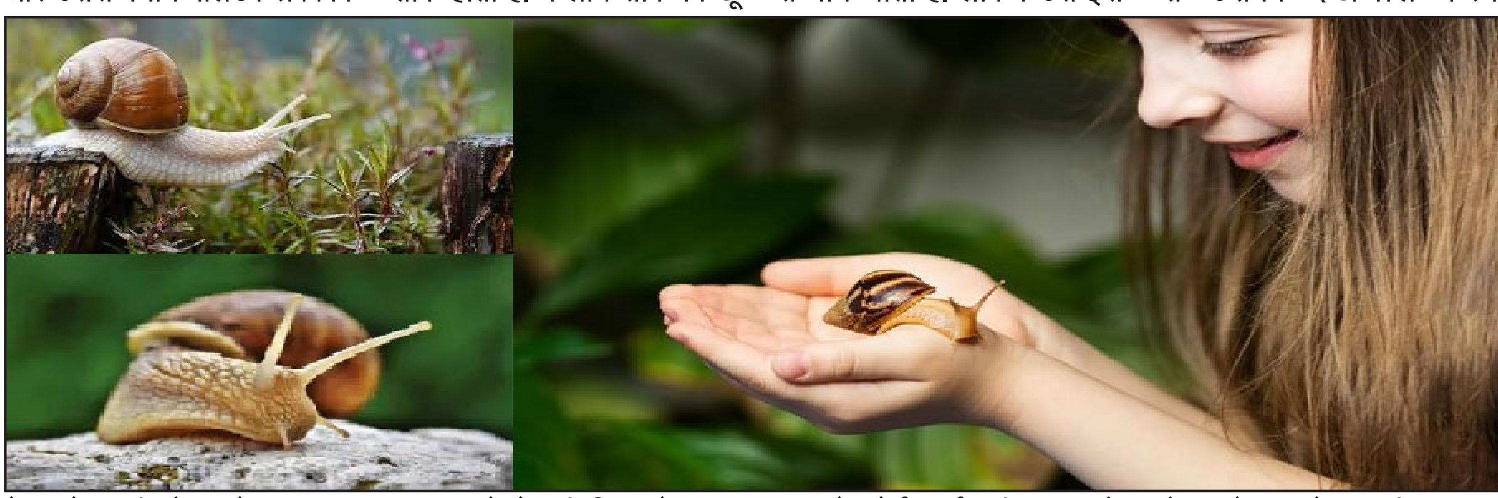

लोगों के अजीबो गरीब शौक होते है, लोगों को अलग अलग जानवर पाले का शौक होता है . आज हम बात करने जा रहे हैं एक ऐसी लडकी की जो एक घोंगा लती है और उससे बेंथान पोलैंडके क्राकोव में रहने वाली मैगडालेना दुस्जा अपने अजीबोगरीब पालतू जानवर के लिए मशहूर है. जहां लोगों को कुत्ते–बिल्ली पालने का शौक होता है, वहीं इस लड़की के पास एक घोंघा है, जिससे वो बेपनाह प्यार करती है. दुनिया में कई लोगों को पालतू जानवर रखने का शौक होता है. कुछ कुत्ते पालते हैं तो कुछ बिल्लियां. कुत्तों में भी लोगों को अलग–अलग ब्रीड का ऑप्शन मिलता है. ठीक यही बात बिल्लियों के साथ भी लागू होती है. लेकिन कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जिन्हें अजीबोगरीब जानवर पालने का शौक होता है. ये लोग सांप–बिच्छू तक पालने से नहीं हिचकते. आज हम जिस महिला के बारे में बात करने जा रहे हैं, उसे कुत्ते–बिल्ली का शौक नहीं है.वो अपने पालतू घोंघेसे काफी प्यार करती है. उसके बिना वो एक पल नहीं रह पाती. पोलैंड की रहने वाली मैगडालेना ने एक अफ्रीकन घोंघे को गोद लिया था. इसके बाद से अब तक दोनों एक–दूसरे के बिना नहीं रह पाते हैं. मैगडालेना हर दिन अपने घोंघे से बात करती है और गले लगाकर दोनों कई बार साथ ही सोफे पर सो जाते हैं. इस दौरान मैगडालेना घोंघे की लार से भीग जाती है. लेकिन उसे इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है. मैगडालेना ने अपने घोंघे, जिसका नाम उसने मिसिएक रखा है, को एक पेट शिप से काफी खराब कंडीशन में खरीदा था. तब लोगों को लगा था कि घोंघा ज्यादा दिन नहीं बचेगा. लेकिन मैगडालेना के प्यार ने उसकी जान बचा ली. रखती है १३० लीटर की टंकी में मैगडालेना अपने पेट से काफी प्यार करती है. वो उसके घर का काफी हिस्सा ले लेता है. मिसिएक को रखने के लिए मैगडालेना ने घर में १३० लीटर की टंकी लगा रखी है. इस वजह से उसकी देखभाल करना मैगडालेना को काफी आसान लगता है. अपने पेट के बारे में मैगडालेना ने कहा कि बचपन से ही उसका सपना था कि वो एक बड़ा सा घोंघा पाले. स्कूल में लैब में दिखे एक घोंघे को देखने के बाद से ही वो उनके प्रति आकर्षित हो गई थी. अब वो उसके साथ रहती है.किया था रेस्क्यू.. अपने पेट मिसिएक को मैगडालेना एक पेट श प से खरीद लाई थी. उसने बताया कि मिसिएक को जब उसने पहली बार देखा था तो उसका दिल दहल गया था. दुकान में उसे बेहद छोटे से बॉक्स में रखा गया था. इसमें काफी कम ह्यूमिडिटी थी. ये घोंघे के लिए सही नहीं होते हैं. इसके अलावा मिसिएक की बॉडी में पैरासाइट लग गए थे और उसके शेल को भी नुकसान पहुंच रहा था. मैगडालेना घोंघे को प्यार से टेडी बियर भी बुलाती है. मिसिएक ज्यादातर फल और सब्जियां खाता है. रोज रात को दोनों बातें करते करते सो जाते हैं।

पुलिस मुठभेड़ में जख्मी दो बदमाश पुलिस कस्टडी से फरार जानें क्या है मामला

लखनऊ। ट्रामा सेंटर में उस वक्त हड़कम्प मच गया। जब रायबरेली जनपद से उपचार के लिए लाए गए दो बदमाश पुलिस कस्टडी से भाग निकले। बदमाशों की सुरक्षा में आए दरोगा समेत छह पुलिसकर्मियों रहते यह जानकारी पुलिस अध् ीक्षक रायबरेली को हुई। तो उन्होने फौरन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। गौरतलब है कि ०६ जुलाई को रायबरेली जनपद के डलमऊ थानाक्षेत्र के कनहा गांव में पुलिस और एसओजी टीम ने एक मुठभेड़ में चार बदमाशों को जख्मी कर गिरफ्तार किया था। इस मुठभेड़ में जौनपुर जनपद के शाहगंज निवासी इरफान और मध्यप्रदेश के रहने वाले इंजमाम समेत चार बदमाश शामिल थे। बता दें कि इंजमाम और इरफान का पैर गोली से जख्मी हो गया था। जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन हालत में सुधार न होने पर बदमाशों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। मंगलवार की शाम उन्हें पुलिस कस्टडी में ट्रामा सेंटर लेकर आया गया। बदमाशों पर निगरानी रखने के लिए डलमऊ

कोतवाली में तैनात दरोगा मोहित कुमार, हेड कांस्टेबल लालसा चौहान, कांस्टेबल मुकेश साहू, महेश सिंह, शक्ति सिंह, सचिन गौतम और आनंद कुमार को तैनात किया गया। बुधवार की शाम बदमाश पुलिस की आंखों में धूल झोंक कर वहां से फरार हो गए। पुलिसकर्मियों की नजर वार्ड में पड़े बेड़ पर गई, तो उन्होंने खोजबीन की लेकिन बदमाशों का कहीं सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जिसमें बदमाश ट्रामा सेंटर से भागते दिखाई पड़े। इसके बाद यह जानकारी रायबरेली के पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी को हुई तो बदमाशों की धरपकड़ के लिए पुलिस की चार टीमें गठित की गई। इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि काम में लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर कार्रवाई की जाएगी। इंजमाम और इरफान को पकडने के लिए पुलिस टीमें लगा दी गई हैं। जब केजीएमयू में लगे सीसीटीवी कैमरे में देखा गया तो दोनो के पैर में प्लास्टर चढ़ा हुआ है और दोनों लंगडाते हुए भाग रहे हैं। इस मामले में इंस्पेक्टर ने बताया कि केजीएमयू के बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। पुलिस की टीमें लगी हुई है। फिलहाल अभी इस संबंध में कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी।

भाई भाभी की मौत बाद भाई ने खाते से उड़ाए लाखो रुपये

लखनऊ। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके में रहने वाले एक युवक ने अपने चाचा चाची व बुआ पर सड़क हादसे में माता पिता की मौत होने जाने के बाद एटीएम द्वारा उनके खाते से लाखों रुपए की नकदी व घर के कागजात चोरी करने का आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत मिलने पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी है। कृष्णा नगर कोतवाली इलाके के रूस्तम विहार बस्ती, ३ नंम्बर बगिया, नादरगंज, मानसनगर में रहने वाले युवक अर्पित सिंह पुत्र स्व अरविन्द सिंह ने बताया कि उसके पिता एक स्कूल संचालक थे बीते ६ जून को पिता अरविन्द सिंह व माता अर्चना सिंह कार से पैतृक गाँव औरैया जाते समय कन्नौज में कार दुर्घटना हुई थी इस हादसे में पिता की मौत मौके पर ही हो गई थी और माँ की हालत गंभीर थी जिनका इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गया था। वहीं पीड़ित युवक का आरोप है कि कन्नौज पुलिस ने उसके मृतक पिता अरविन्द सिंह का मोबाइल, पर्स व एटीएम उसके चाचा पूते को दे दिया था। चाचा पूते उसके पिता के एटीएम में जमा लगभग साठ हजार रुपए जालसाजी कर पेटीएम द्वारा खाते से निकाल लिया और मोबाइल फोन भी हड़प लिया। पीड़ित युवक के का कहना था कि रूस्तम विहार घर की चाभी रूकने के लिये चाचा पूते ने ली थी और घर पर चाची आरती, फूफा दाताराम, बुआ बबली रूके थे। माता की मृत्यु लखनऊ में होने के पश्चात् मृतक माता के अंतिम संस्कार के लिए अपने पैतृक गाँव जिला औरैया लिये ले गया चाचा–चाची ने दूसरी गाड़ी से आने की बात कह लखनऊ में ही रुक गए थे और इस अवसर का लाभ उठाकर घर में रखा लगभग दो लाख रुपये नगद, माता के जेवरात, घर व प्लाट की रजिस्ट्री के कागजात व अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया है। जिसकी जानकारी होने पर पीड़ित ने जब अपने चाचा चाची से जानकारी माँगा तो धमकी देने लगे। पीड़ित ने स्थानीय थाना कृष्णा नगर पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नामजद लिखित शिकायत की है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि

lt; cktib

lhrkij

ek-9935160370

प्रियंका त्रिपाठी

नई दिल्ली

विधिक सलाहकार

lj'k ukjk;.k feJ

क्षेत्रीय सम्पादक

lkjHk dekj] fcgkj

ek-09386075289

मो० अरशद

C;jk phQ

eऊ

कियारा ने लगाई इंटरनेट पर आग, ब्लैक कटआउट गाउन में फ्लॉन्ट की टोंड बॉडी

मुम्बई। कियारा आडवाणी बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश एक्ट्रेसेस में से एक हैं। एक्ट्रेस की फिल्म जुग जुग जियो हाल ही में रिलीज हुई है। कियारा के फैंस को उनका

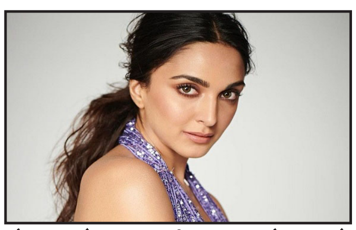

फैशन सेंस काफी पसंद है। चाहे इंडियन वियर हो या वेस्टर्न, कियारा हर लुक को बहुत खूबसूरती के साथ कैरी करती हैं। हाल ही में कियारा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में कियारा के हॉट लुक को देखकर फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती की तारीफ किए बिना खुद को नहीं रोक पा रहे हैं। कियारा आडवाणी ने हाल ही में उदयपुर में एक इवेंट में शिरकत की। इस इवेंट में कियारा ब्लैक कटआउट गाउन में नजर आईं। सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट अमी पटेल ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर कियारा का एक वीडियो शेयर किया। इस विडियो में कियारा को अपना गाउन फ्लॉन्ट करते हुए और मिरर में अपनी वीडियो बनाते देखा जा सकता है। कियारा कई खूबसूरत कट आउट गाउन ळंसअंद स्वदकवद लेबल का है। इस गाउन की खूबसूरत नेकलाइन और कट आउट कियारा की टोंड बॉडी को काफी क म्प्लीमेंट कर रहे हैं। कियारा ने अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए स फ्ट मेकअप लुक रखा था। इसके साथ ही उन्होंने अपने बालों को कर्ल करके खुला छोड़ा था। इस लुक में कियारा की खूबसूरती देखने लायक है। सोशल मीडिया पर फैंस कियारा के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं। अगर वर्क फ्रंट की बात करें तो एक्ट्रेस जल्द ही राम चरण के साथ RC–१५ और विक्की कौशल के साथ गोविंदा मेरा नाम के नजर आएंगी।

बॉयफ्रेंड की बाहों में दिखीं ;तिक रोशन की एक्स वाइफ सुजैन खान

मुम्बई। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन और उनकी वाइफ सुजैन खान का भले ही तलाक हो गया हो लेकिन दोनों अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। तलाक के बाद दोनों

अपनी–अपनी लाइफ में आगे बढ़ चुके हैं। जहां ऋतिक रोशन और सबा आजाद के रिलेशनशिप की खबरें इन दिनों मीडिया में छाई हुई हैं। वहीं, सुजैन भी अपने बॉयफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ काफी खुश हैं। हाल ही में सुजैन और अर्सलान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। आपको बता दें कि इन दिनों सुजैन खान अपने ब यफ्रेंड अर्सलान गोनी के साथ कैलिफोर्निया में छुट्टियां मना रही हैं। सुजैन ने अपने वैकेशन की तस्वीर इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की है। इस तस्वीर में सुजैन और अर्सलान काफी खुश नजर आ रहे हैं। अर्सलान ने सुजैन को बाहों में भर रखा है। सोशल मीडिया यूजर्स को दोनों की यह रोमांटिक तस्वीर काफी पसंद आ रही है। इसके अलावा, सुजैन ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो भी शेयर किया है। सुजैन ने यह विडियो अपनी दोस्त को बर्थडे विश करते हुए शेयर किया है। लेकिन इस वीडियो में कई तस्वीरों में अर्सलान भी नजर आ रहे हैं। इतना ही नहीं, सुजैन के इंस्टाग्राम पर अर्सलान की ढेर सारी तस्वीरें मौजूद है। दोनों एक दूसरे मे साथ खुलकर प्यार का इजहार करते हुए नजर आते हैं।

लुलु मॉल में हुआ हादसा, एस्केलेटर में फंसा मासूम का हाथ

लखनऊ। दो हजार करोड़ रुपये की लागत से लखनऊ में खुला एशिया का सबसे बड़े शॉपिंग लुलु मॉल में दूसरे दिन ही हादसा हो गया। शहीद पथ स्थित इस नये माल में बुधवार को एक परिवार अपने बच्चों को लेकर माल घूमने आया था जहां एस्केलेटर से उतरते वक्त एक मासूम का हाथ एस्केलेटर के सीढ़ियों में फंस गया। चीख पुकार के साथ पूरे माल में हड़कम्प मच गया,आनन फानन में सुरक्षा कर्मियों ने एस्केलेटर को रुकवाया तब जाकर मासूम के हाथ को निकाला गया। घायल मासूम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताते चलें कि लुलु मॉल सोमवार सुबह १० बजे से आम जनता के लिए खोला गया था ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरबाग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

आर.एन.आई UPHIN/2010/32566

सम्पादक

आरती पाण्डेय

मो.9415087228

9889745884. 9807059191. 9026560178

Email- adbhutsamachar@yahoo.in adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक